पांच वर्षों में दोगुणा बढ़े कारखाने

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : औद्योगिक विकास में उत्तर प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। पांच वर्षों में प्रदेश में दोगुणा से अधिक फैक्ट्रियों का पंजीकरण किया गया है। बीते वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 3,318 नई फैक्ट्रियां पंजीकृत की गई हैं, जबकि वर्ष 2020-21 में 1,484 फैक्ट्रियां पंजीकृत हुई थीं। वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एएसआइ) के आंकड़ों के अनुसार 460 फैक्ट्रियां ऐसी हैं जहां सौ से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं।

योगी सरकार ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था व बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाकर औद्योगिक निवेश को बढ़ावा दिया है। इसके चलते उत्तर प्रदेश अब छोटे और मझोले उद्योगों को आकर्षित करने के साथ-साथ बड़े औद्योगिक निवेश के लिए भी प्रमुख गंतव्य बन चुका है। इन्वेस्ट यूपी 2.0 के तहत प्रदेश में लगातार निवेश बढ़ रहा है। प्रदेश ने औद्योगिक पंजीकरण के मामले में भारत सरकार के एएसआइ फ्रेम में भी बढ़त बनाई है।

वर्ष 2022-23 में एएसआइ फ्रेम में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी बढ़कर 7.6 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो कि प्रदेश की अब तक की सबसे ऊंची स्थिति है। औद्योगिक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) के स्तर पर भी उत्तर प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। वर्ष 2022-23 में राज्य का जीवीए बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपये हो गया है।